

नाम.....

अनुक्रमांक.....

प्री-बोर्ड परीक्षा, 2022

P/15,000

हिन्दी

कक्षा—10

समय : 3 घण्टे 15 मिनट ।

[पूर्णांक : 70]

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित में से कोई एक कथन सही है। उसे पहचानकर लिखिए—

- (i) 'हिमालय की पुकार' जयप्रकाश भारती का प्रसिद्ध नाटक है।
(ii) 'संस्कृति के चार अध्याय' दिनकर जी का काव्य-संग्रह है।
(iii) 'गुनाहों का देवता' धर्मवीर भारती का उपन्यास है।
(iv) कलम का सिपाही' प्रेमचन्द की कृति है।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए—

- (i) त्रिवेणी (ii) माटी की मूर्तें
(iii) लहरों के राजहंस (iii) भेरी कॉलेज डायरी

(ग) 'अथाह सागर' किसकी आलोचना कृति है?

- (i) जय प्रकाश भारती (ii) प्रेमचन्द
(iii) रामचन्द्र शुक्ल (iv) केदारनाथ सिंह

(घ) 'कुरुक्षेत्र' किसकी रचना है?

- (i) रामधारी सिंह 'दिनकर' (ii) रामवृक्ष बेनीपुरी
(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी (iv) जयशंकर प्रसाद

(ङ) 'इन्दुमती' किस विधा की रचना है?

- (i) कहानी (ii) उपन्यास (iii) नाटक (iv) निबन्ध

2. (क) 'छायावाद' की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'गीतिका' और 'जयद्रथ वध' के रचयिताओं के नाम लिखिए।

(ग) 'मैथिलीशरण गुप्त' की दो काव्य कृतियों के नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषधि है। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम सकल्पों में हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचाएँगे, हमारे सत्य पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को प्युट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे, तब वे हमें सचेत करेंगे, जब हम हतात्साहित होंगे तब हमें उत्साहित करेंगे। सारांश यह है कि वे हमें उत्तमतापूर्वक जीवन-निर्वाह करने में हर तरह से सहायता देंगे। सच्ची मित्रता में उत्तम से उत्तम वैद्य की-सी निपुणता और परख होती है, अच्छी

P.T.O.

से अच्छी माता की-सी धैर्य और कोमलता होती है। ऐसी ही मित्रता करने का प्रयत्न प्रत्येक पुरुष को करना चाहिए।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) लेखक ने सच्चे मित्र की तुलना किससे की है?

(ख) आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों में अद्भुत और अतुल शक्ति दे रहा है उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह के गिराने में होता ही रहेगा इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और उसे जाग्रत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ में रखना होगा जो उस अहिंसात्मक त्याग-भावना को प्रोत्साहित करें और भोग-भावना को दबाए रखें। नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती। वह नैतिक अंकुश यह चेतना या भावना ही दे सकती है। वही उस शक्ति को परिमित भी कर सकती है और उसके उपयोग को नियंत्रित भी।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) आज विज्ञान मनुष्य को क्या दे रहा है?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए—

$$1 + 4 + 1 = 6$$

(क) धूरि भरे अति सोभित स्याम जू, तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी,
खेलत खात फिरँ अँगना, पग पैजनीं बाजति पीरी कछोटी।
वा छवि को रसखानि बिलोकत, वारत काम कला निज कोटी,
काग के भाग बड़े सजनी, हरि हाथ सों लै गयौ माखन रोटी ॥

(ख) चाह नहीं मैं, सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग पर इठलाऊँ,
मुझे तोड़ लेना बनमाली, उस पथ में देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जाएँ वार अनेक।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए—

$$2 + 1 = 3$$

- (i) जयशंकर प्रसाद
- (ii) राजेन्द्र प्रसाद
- (iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए—

$$2 + 1 = 3$$

- (i) सूरदास
- (ii) बिहारीलाल
- (iii) सुमित्रानन्दन पंत

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

$$1 + 3 = 4$$

एतस्मिन्नेव काले तस्य ग्रामीणस्य ग्रामः आगतः। स विहसन् रेलयानात् अवतीर्य स्वग्रामं प्रति अचलत्। नागरिकः लज्जितः भूत्वा पूर्ववत् तृष्णीम् अतिवृत्त्। सर्वे यात्रिणः बाचालं तं नागरिकं दृष्ट्वा अहसन्। तदा स नागरिकः अन्वभवत्

यत् ज्ञानं सर्वत्र सम्भवति। ग्रामीणाः अपि कदाचित् नागरिकेभ्यः प्रबुद्धतराः भवन्ति।

अथवा

सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः।

आतुरस्य भिषङ् मित्रं दानं मित्रं मरिष्यतः॥

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कंठस्थ किया गया एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में नहीं आया हो? 2
- (ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—
1 + 1 = 2
- (i) अमुखोऽपि कः स्फुटवक्तो भवति?
(ii) वीरभावोः किम् कथ्यते?
(iii) अनृतं केन् जयेत्?
(iv) मनुष्यः किं हित्वा सुखी भवेत्?
8. (क) निम्न पंक्तियों में कौन-सा रस है? उसका स्थायीभाव बताइए— 2
- (i) हा! वृद्धा के अतुल धन हा! वृद्धता के सहारे।
हा! प्राणों के परम प्रिय हा! एक मेरे दुलारे।
(ii) 'हास्य' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।
- (ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। <https://www.upboardonline.com> 2
- (ग) 'सोरठा' अथवा 'रोला' छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए— 3
- (i) अति (ii) निर् (iii) अभि (iv) सह (v) उप
(vi) वि
- (ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए— 2
- (i) ता (ii) आई (iii) त्व (iv) पन (v) ईय
- (ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों में समास विग्रह कर, समास का नाम लिखिए— 2
- (i) उच्च निम्न (ii) नीलाम्बर (iii) पंचानन (iv) महापुरुष
(v) पितरौ
- (घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए— 2
- (i) उजला (ii) गाँव (iii) कान (iv) आम (v) तालाब
10. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए— 2
- (i) इति + अत्र (ii) प्रति + एकम्
(iii) सु + आगतम् (iv) सदा + एव
(v) वन + औषधि
- (ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप द्वितीया विभक्ति एकवचन में लिखिए— 2
- (i) 'नदी' अथवा 'मति' (ii) 'तद्' (पु.) अथवा 'युष्मद्'

- (ग) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक का धातु, लकार, पुरुष व वचन का उल्लेख कीजिए— 2
 (i) पठानि (ii) हसिष्यतः (iii) अगच्छत्
- (घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 1
 (i) वृक्ष से फल गिरता है। (ii) मैं वाराणसी जाऊँगा।
 (iii) भिखारों को वस्त्र दे दो। (iv) हम दोनों गेंद से खेलेंगे।
11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए— 6
 (i) विज्ञान के चमत्कार (ii) योग-स्वस्थ जीवन का आधार
 (iii) परिश्रम का महत्व (iv) देश-प्रेम
 (v) बढ़ती जनसंख्या समस्या
12. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्न प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए— 3
- (क) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
 (ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (ख) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथासार लिखिए।
 (ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के मुख्य नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (ग) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।
 (ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक महारसणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (घ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सप्तम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।
 (ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर मुख्य नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (ङ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर चतुर्थ सर्ग का कथासार लिखिए।
 (ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर शिशुपाल का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (च) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर तृतीय सर्ग का कथासार लिखिए।
 (ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नवम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।
 (ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर छठे सर्ग का कथासार लिखिए।
 (ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के नायक भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (झ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा लिखिए।
 (ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर का चरित्र-चित्रण कीजिए।